www.avadhkaawaz.com

अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–119 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 31 जुलाई 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

योगी ने दिए निर्देश, वैक्सीनेशन को और तेज करने की आवश्यकता

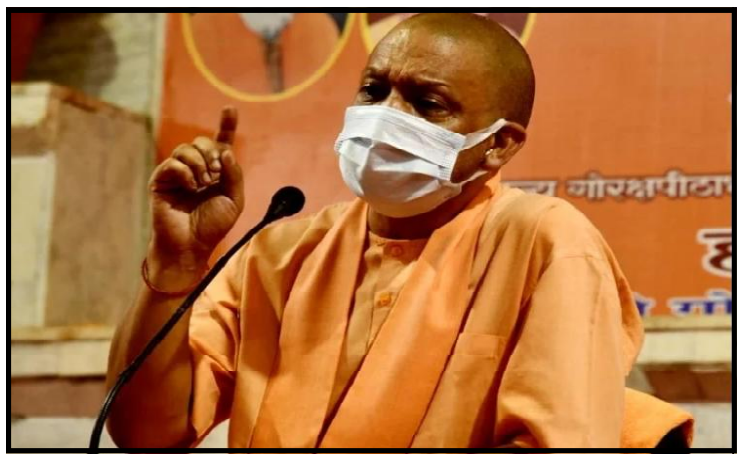

लखनऊ। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में कोरोना केसों की समीक्षा करते हुए कोविड–19 प्रबंधन हेतु गठित टीम को जरूरी दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने महामारी, संक्रमित केस, वैक्सीन तथा मरीजों आदि के बारे में महत्वपूर्ण बातें कहीं। योगी ने कहा कि प्रदेश के नौ जिले अलीगढ़, अमरोहा, बस्ती, एटा, हाथरस, कासगंज, कौशांबी, महोबा और श्रावस्ती में अब कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। जनसहयोग बहुत आवश्यक है। बताया कि उत्तर प्रदेश सर्वाधिक कोविड टेस्टिंग करने वाला राज्य है। अब तक यहां 06 करोड़ 52 लाख से अधिक कोविड सैम्पल की जांच की जा चुकी है। विगत 24 घंटे में 02 लाख 44 हजार 02 कोविड सैम्पल की जांच की गई और 42 नए मरीजों की पुष्टि हुई, जबकि 91 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। 55 जिलों में संक्रमण का एक भी नया केस नहीं पाया गया, जबकि 20 जनपदों में इकाई अंक में मरीज पाए गए।

अब तक उत्तर प्रदेश में 04 करोड़ 67 लाख 83 हजार से अधिक कोविड वैक्सीन लगाए जा चुके हैं। प्रदेश के 03 करोड़ 91 लाख से अधिक लोगों ने कम से कम कोविड की एक खुराक ले ली है। यह किसी एक राज्य द्वारा किया गया सर्वाधिक वैक्सीनेशन है। कोविड वैक्सीनेशन को और तेज करने की आवश्यकता है। टीकाकरण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए।

कानपुर में संक्रमित पाए गए 22 लोगों के परिजनों सहित संपर्क में आए लगभग 1,400 लोगों की कोविड टेस्टिंग कराई गई और एक भी पॉजिटिव मरीज की पुष्टि नहीं हुई। योगी ने कहा कि जिलाधिकारी गण अपने जिलों में एम्बुलेंस संचालन की व्यवस्था पर सतत नजर बनाए रखें। एम्बुलेंस की अनुपलब्धता के कारण यदि किसी की असमय मृत्यु की दुःखद घटना हुई, तो दोषी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी तय है।

निर्देश दिए कि अवैध/डग्गामार ओवरलोड बसें जो उत्तर प्रदेश की सीमा से होकर विभिन्न राज्यों की ओर जा रही हैं, परिवहन विभाग द्वारा विशेष सतर्कता बरतते हुए ऐसे बसों के संचालन को रोका जाए। इनके परमिट सहित अन्य दस्तावेजों की जांच हो। ओवरलोडिंग के विरुद्ध कठोरता से कार्रवाई की जाए। अवैध शराब के ठिकानों पर छापामारी कर दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। नोएडा में माइक्रोसॉफ्ट, अडानी व एक अन्य औद्योगिक समूह द्वारा डेटा सेंटर की स्थापना की कार्यवाही प्रस्तावित है। इस संबंध में सभी आवश्यक औपचारिकताएँ तेजी से पूरी की जाएं।

यूपी में जनेश्वर मिश्रा की जयंती के अवसर पर साइकिल यात्रा निकालेंगे समाजवादी

लखनऊ, (वेबवार्ता)। भाजपा की प्रस्तावित आशीर्वाद यात्रा के बाद अब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की साइकिल यात्रा का समय आ गया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने समाजवादी

नेता जनेश्वर मिश्रा की जयंती के अवसर पर 5 अगस्त को राज्य भर में अपनी पार्टी के कार्यकताओं को साइकिल यात्रा निकालने का निर्देश दिए है। संयोग से मिश्रा, पार्टी का ब्राह्मण चेहरा रहे हैं और यह आयोजन ब्राह्मणों को लुभाने के समाजवादी प्रयासों में लगी है। इस बीच, अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के नेताओं को भगवा ब्रिगेड द्वारा रचे गए सोशल मीडिया अभियान के माध्यम से समाजवादी पार्टी के नेतृत्व को बदनाम करने की भाजपा की साजिश के प्रति आगाह किया है। उन्होंने अपने कैडर से इस तरह की साजिशों से सावधान रहने को कहा है। अखिलेश ने अनौपचारिक बातचीत में पार्टी नेताओं से कहा,बीजेपी झूठ फैलाने के लिए अफवाह फैलाने में माहिर है। अब समाजवादी पार्टी के समर्थकों के रूप में वह अपने कैडर लगाने की रणनीति बना रही है, और सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री पोस्ट कर रही है जो अंततः हमारी पार्टी और नेताओं को खराब रोशनी में दिखा सकती है। हमें सतर्क रहना होगा। सपा अध्यक्ष का यह बयान उनके नाम से एक फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाए जाने और अयोध्या में बाबरी विध्वंस से संबंधित झूठे और निराधार बयान देने के बाद आया है। पार्टी ने फर्जी अकाउंट के मामले में लखनऊ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करायी है। उन्होंने कहायह केवल राजनीतिक विरोधियों की छवि खराब करने के बारे में नहीं है। विधानसभा चुनाव तेजी से आने के साथ, भाजपा भी चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और निष्पक्षता को प्रभावित करने की योजना बना रही है। उन्होंने पहले से ही संवैधानिक संस्थानों को कमजोर कर दिया है जो भारतीय आधार बनाते हैं। लोकतंत्र और अब वे चुनाव की निष्पक्षता को निशाना बनाना चाहते हैं।

लोकसभा की कार्यवाही भारी हंगामे के कारण दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। पेगासस जासूसी, महंगाई तथा कृषि कानून समेत अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों का हंगामा मानसून सत्र के दूसरे सप्ताह के आखिरी दिन आज भी जारी रहा जिसके कारण लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। एक बार के स्थगन के बाद पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने 12 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही आरंभ की विपक्ष के सदस्य पहले की तरह हाथों में नारे लिखी तख्तियां लिए सदन के बीचों बीच आ गये और नारेबाजी तथा शोरशराबा करने लगे। पीठासीन अधिकारी ने शोर शराबे के बीच ही जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाए और सदन को चलाने का प्रयास किया। उन्होंने सदस्यों से आग्रह किया कि बहुत महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा होनी है। इसके अलावा विपक्ष के सदस्य जिस विषय पर चर्चा करवाना चाहते हैं वह विषय भी आज सदन में चर्चा के लिए सूचीबद्ध है इसलिए सभी सदस्य हंगामा करने की बजाए अपनी सीटों पर जाएं और सदन की कार्यवाही होंने दें और चर्चा में हिस्सा लें। सदस्यों ने उनकी एक नहीं सुनी और हंगामा करते रहे। श्री अग्रवाल के आग्रह पर जब सदस्यों ने ध्यान नहीं दिया और हंगामा बढता गया तो उन्होंने सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले 11 बजे अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हंगामे के बीच प्रश्नकाल शुरू किया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हम लोग सत्र की शुरुआत से ही पेगासस जासूसी, महंगाई समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा कराने की माँग कर रहे हैं, लेकिन चर्चा नहीं कराई जा रही है। इस पर सत्तापक्ष की तरफ से भी टिप्पणी की जाने लगी और इसी बीच प्रश्नकाल शुरू कर दिया गया। हंगामे के बीच संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि विपक्ष गैर गम्भीर विषयों को मुद्दा बना रहा है जबकि इस मामले में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दोनों सदन में बयान दे दिया है। विपक्ष बिना मुद्दे के हंगामा कर सदन के कामकाज में अवरोध उत्पन्न कर रहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर भाषण के लिए मोदी ने जनता से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने भाषण के लिए शुक्रवार को नागरिकों से सुझाव मांगे और कहा कि उनके विचार लाल किले की प्राचीर से गूंजेंगे। एक ट्वीट में प्रधानमंत्री ने जनता से कहा कि वह नागरिकों के मंच ''मायगव'' पर अपने सुझाव भेज सकते हैं। ''मायगव'' पोर्टल के अनुसार प्रधानमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण के जरिए सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों को जनता के सामने रखते हैं। प्रधानमंत्री पिछले कुछ वर्षों से इसके लिए सीधे जनता से सुझाव मांगते रहे हैं। इसमें कहा

गया है, ''इस वर्ष भी प्रधानमंत्री नये भारत के लिए लोगों से उनके मूल्यवान सुझाव आमंत्रित कर रहे हैं। अब आपके पास मौका है कि अपने विचारों को सामने रखें और अपने सुझाव दें। प्रधानमंत्री मोदी इनमें से कुछ विचारों को अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में शामिल करेंगे।

भाजपा कानपुर महानगर उत्तर के गीता नगर मंडल कार्यसमिति की बैठक

अवध की आवाज

कानपुर महानगर । भाजपा कानपुर महानगर उत्तर के गीता नगर मंडल

कार्यसमिति की बैठक में जिलाप्रभारी एवम् प्रदेश उपाध्यक्ष माननीय विजय बहादुर पाठक जी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। बैठक में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री विधायक कल्याणपुर नीलिमा कटियार जी विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उदघाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में जिलाध्यक्ष सुनील बजाज, समापन सत्र में पूर्व जिला अध्यक्ष विजय सिंह सेंगर जी ने ,एवम् संचालन मण्डल प्रभारी कृष्ण दीक्षित जी ने किया। गीता नगर मण्डल अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह सेंगर जी ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई । 2022 के विधानसभा चुनाव की चुनावी तैयारियों का भी आगाज इस बैठक से भाजपा ने कर दिया है। बैठक में मंडल कार्यसमिति सदस्य,सम्मानित पार्षदगण, सेक्टर संयोजक, सेक्टर प्रभारी, वार्ड अध्यक्ष/सचिव आदि लोग उपस्थित थे।

आरक्षी प्रमोद कुमार राघव च्छ्ब 192733595, जो वर्तमान समय में थाना हसनगंज में नियुक्त है, थाना अजगैन क्षेत्रांतर्गत नवाबगंज पक्षी विहार से टप्ड ड्यूटी समाप्त कर वापस थाने जा रहे थे तभी नवाबगंज कस्बे के पास एक पिकअप ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया।आरक्षी उपरोक्त द्वारा तत्परता के साथ घायल व्यक्ति को तत्काल प्राइवेट वाहन की व्यवस्था कर ससमय सीएचसी नवाबगंज ले जाया गया जिससे उसकी जान बच गयी। आमजनमानस द्वारा आरक्षी के इस सराहनीय कार्य की भूरि–भूरि प्रशंसा की गई।श्रीमान पुलिस अधीक्षक उन्नाव द्वारा आरक्षी के इस मानवीय/सराहनीय कार्य हेतु उसे 500रु० नगद पुरुस्कार सहित प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया तथा आरक्षी का नाम डीजी प्रशंसा चिन्ह हेतु भेजे जाने की संस्तुति की गई। ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा के साथ संवाददाता योगेश द्विवेदी

भाजपा विधायक नें प्रधानो व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को किया सम्मानित

सुरेश कुमार तिवारी

कहोबा चौराहा गोंडा भाजपा संगठन गोंडा के द्वारा इटियाथोक ब्लॉक के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानो व क्षेत्र पंचायत सदस्यों के स्वागत सम्मान के लिए आयोजित कार्यक्रम में मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी नें भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में सभी 102 बी डी सी और 85 ग्राम प्रधानों को अंग वस्त्र भेंट कर किया सम्मानित। नव निर्वाचित जन द्विवेदी को प्रतीक चिन्ह व अंग वस्त्र भेंट कर किया गया। तत्पश्चात मंच पर उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत विधायक विनय कुमार द्विवेदी के द्वारा किया गया। स्वागत सम्मान के अगले क्रम में कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को विधायक श्री द्विवेदी ने अंग वस्त्र देकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन इटियाथोक मंडल अध्यक्ष सत्यव्रत ओझा ने किया।

प्रति निधियों के स्वागत सम्मान का यह कार्यक्रम भाजपा संगठन के द्वारा इटियाथोक कस्बा व बाजार स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रांगण में शुक्रवार को मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित कुछ एक ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्य गणों को छोड़कर ब्लॉक क्षेत्र के सभी ग्राम पंचायतों के नव निर्वाचित ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम इटियाथोक ब्लॉक के प्रधान संघ अध्यक्ष ज्योति चंद्र तिवारी के द्वारा मुख्य अतिथि विद्याभूषण द्विवेदी व विशिष्ट अतिथि विधायक विनय कुमार कार्यक्रम को विधायक विनय कुमार द्विवेदी, सुरेश नारायण पांडे,महेंद्र जैन, अमरीश मणि तिवारी, पवन सिंह सहित अन्य मंचस्त अतिथियों ने संबोधित करते हुए भाजपा सरकार की नीतियों और रितियो से उपस्थित जन प्रतिनिधियों को अवगत कराया। तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विकास परख व लाभार्थी परख योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में राजेश दुबे, अश्वनी मिश्रा, ओम प्रकाश तिवारी, सोमेश्वर नाथ पांडे, दीप नारायण तिवारी, कपिलेश्वर शुक्ला, अजय राठौर, सहित तमाम भाजपा पदाधिकारी सैकड़ों की संख्या में ग्राम प्रधान व बीडीसी मौजूद रहे।

अवध की आवाज दैनिक समाचार पत्र कटरी पीपलखेड़ा प्रधान के पुत्र दीपक निषाद को अवध की आवाज का पेपर भेंट करते संवाददाता योगेश द्विवेदी साथ में मौजूद ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा उन्नाव

गंगाघाट बरसात में नगरपालिका की खुल रही है पोल

अवध की आवाज

उन्नाव। गंगा घाट कोतवाली के अंतर्गत वार्ड नंबर 10 अहमदनगर रजा मस्जिद का ये नजारा नमाजी

नमाज पढ़ने के लिए जाने को हो रहे हैं परेशान बरसात होते ही अहमदनगर रजा मस्जिद के पास का नजारा ही बदल जाता है नमाजियों को नमाज पढ़ने के लिए कीचड़ भरे पानी से निकलकर जाना पड़ता है सब कुछ देखते हुए जानते हुए वार्ड नंबर 10 के सभासद के कानो में नहीं रेंगती जू आखिर कब तक झेलना पड़ेगा सभासदों की मनमानी को आय दिन बालू खनन की वजह से मस्जिद के सामने वाली रास्ता होती जा रही है क्षतिग्रस्त रास्ता देखते हुए भी वार्ड नंबर 10 के सभासद बने हुए हैं अनजान जैसे मानो कि उनको कुछ मालूम ही नहीं होता बारिश होने के कारण रास्ता चलना हुआ दुर्लभ हर दिन पहले गंगानगर कटनी गंगा का बढ़ता जलस्तर को देखते हुए नगरपालिका गंगा घाट को आदेश दिया था की कोई भी कर्मचारी चाहे वो छोटा हो या बड़ा अपने काम में लापरवाही बरते गा तू उस पर सख्त से सख्त कारवाही और मुकदमा भी पंजीकृत होगा नगरपालिका गंगा घाट का तो जैसे कहना है डीएम हूं या फिर सीएम

है हम काम अपने मन मुताबिक ही करेंगे हम किसी के आदेशों को नहीं मानते वही परेशान अहमदनगर के निवासियों ने अपनी परेशानी आपबीती जब वार्ड नंबर 10 के सभासद राम जानकी साहू से बताई तो वार्ड नंबर 10 के सभासद राम जानकी साहू का कहना है कि मुझे मुस्लिम क्षेत्र से कोई वोट

नहीं मिला इसलिए मैं मुस्लिम क्षेत्रों में कोई भी काम नहीं कराऊंगा अब जनता किस से कहें अपने दिल के हार कौन सुनेगा नगरपालिका भी सुनने को तैयार नहीं सभासद भी सुनने को तैयार नहीं डीएम साहब अब आप ही इस परेशानी का समाधान कीजये वार्ड नंबर 10 के निवासियों को कौन सुनेगा फरियाद और कौन दिलाएगा इंसाफ। योगी आदित्यनाथ की सरकार में जैसे जनता होती जा रही है बस कोई भी अधिकारी कर्मचारी सभासद किसी भी वार्ड में काम कराने को तैयार नहीं।

प्राथमिक विद्यालय कोल्हुई गरीब में किया गया बैग वितरण

मोहम्मद खालिद

अवध की आवाज

खोड़ारे गोण्डा। प्राथमिक विद्यालय बड़काडीह में नौ निहालों को ग्रामप्रधान कोल्हई गरीब गरीब रिज़वान अली शेख व ए आर पी हक़ी कुल्लाह की उपस्थिति में निःशुल्क बैग का वितरण किया गया। ए आर पी व ग्राम प्रधान ने विद्यालय के भौतिक परिवेश, विद्यालय परिसर की स्वच्छता और शैक्षिक माहौल की प्रशंसा की। ए आर पी हक़ीकुल्लाह ने ई–पाठशाला व प्रेरणा साथी अनीता देवी के कार्यों की सराहना की।निःशुल्क बैग वितरण के सम्बन्ध में इं० प्रधानाध्यापक मोहम्मद अनीस ने बताया कि इस बार बैग का वितरण कक्षावार पूर्व निर्धारित तिथियों के अनुसार किया जा रहा है।उनसे यह पूछने पर की आपने एक दिन सिर्फ एक ही कक्षा के बच्चों को ही क्यों बैग वितरण के लिए बुलाया है, इस पर इं० प्रधानाध्यापक द्वारा बताया गया कि बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को भी स्मार्टफ़ोन/मोबाइल के साथ बुलाया गया है।जिससे अधिक से अधिक अभिभावकों को ई–पाठशाला से जोड़ा जा सके।आज जितने भी अभिभावकों के स्मार्टफोन लाया था उन सभी के मोबाइल में दीक्षा ऐप,रीड एलांग ऐप और प्रेरणा लक्ष्य ऐप इंस्टॉल किया गया और उन्हें विद्यालय के व्हाट्सएप्प ग्रुप से भी जोड़ा गया। पूर्व निर्धारित तिथि

के अनुसार आज सिर्फ कक्षा 1 के बच्चों एवं उनके अभिभावकों को ही बुलाया गया था और उनको बैग वितरित क्या गया। आज कक्षा एक में नामांकित कुल 28 बच्चों के सापेक्ष 22 बच्चों को बैग वितरित किया गया।छूटे हुए बच्चों को अगले कार्यदिवस में बुलाया गया है।मोहम्मद अनीस ने आगे अवगत कराया कि पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार शनिवार को कक्षा 2 ,सोमवार को कक्षा 3 ,मंगलवार को कक्षा 4 और बुधवार को कक्षा 5 के बच्चों व उनके अभिभावकों को स्मार्टफोन/मोबाइल लेकर बैग वितरण हेतु बुलाया गया है। इस अवसर पर इंचार्ज प्रधानाध्यापक श्री मोहम्मद अनीस,सहायक अध्यापक श्री मतिउल्लाह और शिक्षामित्र श्रीमती ताक़दीरुन्निशा कुरैशी उपस्थित रहे।

भाकियू का लखनऊ घेराव पर निर्णय अब पांच सितंबर को, खतौली में किसान पंचायत में होगा एलान

लखनऊ। दिल्ली की तर्ज पर लखनऊ के चारों तरफ डेरा डालने के निर्णय को भाकियू ने फिलहाल टाल दिया है। अब पांच सितंबर को

मुजफ्फरनगर के खतौली में होने वाली किसानों की पंचायत में इस पर निर्णय लिया जाएगा। दरअसल, बीती 26 जुलाई को लखनऊ में संयुक्त किसान मोर्चा ने एलान किया था कि किसानों की मांगों को लेकर मोर्चा 'मिशन यूपी एवं उत्तराखंड' चलाएगा। मोर्चा ने कहा था कि जब तक कृषि कानून वापस नहीं होंगे, दिल्ली बॉर्डर पर धरना चलता रहेगा। इस मौके पर भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने एलान किया था कि सरकार यदि किसानों की बात नहीं सुनेगी तो दिल्ली की तर्ज पर लखनऊ के चारों तरफ डेरा डालेंगे। अब तय किया गया है कि पांच सितंबर को खतौली में होने वाली किसान महापंचायत में इस पर फैसला किया जाएगा। राकेश टिकैत ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि पंचायत में ही आगे की रणनीति तय होगी। ऐसे में माना जा रहा है कि भाकियू लखनऊ में मोर्चा खोलकर दो जगह पर अपनी ताकत बांटना नहीं चाहती है। पहले रणनीति थी कि लखनऊ में भी दबाव बनाया जाए, लेकिन इससे आशंका है कि किसानों की ताकत कहीं बंट न जाए। ऐसे में भाकियू पूरी तैयारी के साथ ही कोई कदम उठाना चाह रही है। लखनऊ में आंदोलन पर विचार के लिए आगे बढ़ाया गया समय इसी रणनीति का परिणाम माना जा रहा है।

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए जांच अनिवार्य करनी होगी : बोम्मई

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। कर्नाटक में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को कहा कि वायरस को फैलने से रोकने के लिए सीमाओं पर सख्ती करना और अनिवार्य जांच सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना जरूरी है। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद पहली बार दिल्ली आए बोम्मई ने यह भी कहा कि वायरस की वर्तमान लहर से निबटने के लिए राज्य सरकार स्वास्थ्य ढांचे को और मजबूत करेगी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात से पहले बोम्मई ने संवाददाताओं से कहा कि वह यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी प्रमुख और अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मिलने और उनका आशीर्वाद लेने आए हैं। कर्नाटक में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बारे में बोम्मई ने कहा कि उन्होंने इस बारे में दक्षिण कन्नड़, चामाराजनगर, मैसुरु और कोडागु के जिलाधिकारियों से बात की है। उन्होंने कहा, ''हमें सीमाओं पर सख्ती करनी होगी। अनिवार्य जांच एवं टीकाकरण करना होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली दौरे के बाद वह जिलाधिकारियों और जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात करेंगे। उन्होंने कहा कि वह राज्य के बाढ़ प्रभावित जिलों का भी दौरा करेंगे। कर्नाटक में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के 2,052 नए मामले सामने आए तथा 35 संक्रमितों की मौत हुई।

मोहम्मद रफी जैसे लोग मरते नहीं, बल्कि दिलों में हमेशा जिंदा रहते हैं : इंजिनियर हया फातिमा

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। यह सभी जानते हैं की दुनिया में जो आया है उसको एक मुकर्रर वक्त तक दुनिया में

रहकर रुखसत हो जाना है। बॉलीवुड के मशहूर व मारूफ ग्लोकार मोहम्मद रफी साहेब भी जिंदगी के चार दिन काट कर 31 जुलाई 1980 को आखरी सफर पर रवाना हो गए। निकट सिटी स्टेशन, हामिद रोड स्थित सल्तनत मंजिल की इंजिनियर हया फातिमा बिटिया नवाबजादा सय्यद मासूम रज़ा, एडवोकेट ने कहा की रफी साहेब हमारे दरम्यान नहीं हैं मगर उनकी दिलकश आवाज हमेशा गूंजती रहेगी। यह सच है कि उनकी आवाज का कोई सानी नहीं। रफी साहेब हर किस्म के गाने गाने में माहिर थें। उनकी आवाज का कोई नकल नहीं कर सका। अगर किसी ने नकल करने की कोशिश की तो वो हरगिज कामयाब न हो सका। इंजिनियर हया फातिमा ने आगे कहा कि उनकी गुलोकारी का अंदाज बिलकुल अलग था। वो एक अच्छे इंसान थें। रफी साहेब को 1977 में रिलीज हुई नासिर हुसैन की फिल्म "हम किसी से कम नहीं" के लिए भारत के राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी के हाथों "रजत कमल अवार्ड" से नवाजा गया था। 1965 में उन्हें पद्मश्री से नवाजा गया था और यह अवार्ड उस समय के राष्ट्रपति डॉक्टर जाकिर हुसैन के हाथों दिया गया था। 31जुलाई 1980 को दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई। इंजिनियर हया फातिमा ने आगे कहा कि रफी साहेब जैसे लोग हमारे बीच नहीं हैं, ऐसे लोग मरते नहीं बल्कि दिलों में हमेशा जिंदा रहते है और उनकी आवाज हमेशा कानो में गूंजती रहती है। डाक विभाग द्वारा 15 मई 2003 को चार मशहूर ग्लोकार किशोर कुमार, मुकेश, हेमंत कुमार और मोहम्मद रफी के एजाज में चार टिकटों का एक सेट ("गोल्डन वॉयसेस आफ ईस्टर ईयर्स") के नाम से जारी किया था यह नायाब टिकटों का सेट इंजिनियर हया फातिमा के कलेक्शन में चार चांद लगा रहा है।

ब्राह्मण समाज के हित में नही विकास दुबे की प्रतिमा लगवाने संबंधी बयानः- दीप मिश्रा

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी के विकास दुबे व श्री प्रकाश शुक्ला की प्रतिमा लगवाने सम्बन्धी सनसनी खेज बयान से ब्राह्मण समाज का कोई मान नही बढ़ने वाला है। यह कथन वरिष्ठ पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता दीप शंकर मिश्र ने एक मुलाकात में व्यक्त किये। उन्होंने कहा ब्राह्मणों ने बिना अपना कोई फायदा देखे हमेशा समाज के लिये यहाँ तक देवताओं के लिये त्याग व अपना बलिदान किया है। यह एक कटु सत्य है। इसका मतलब यह नही की सभी ब्राह्मणों ने त्याग किया

है। रावण ब्राह्मण था विद्वान और बलवान भी जिसे भगवान राम ने मारा तो त्रेता द्वापर और आज कलयुग में किसी ब्राह्मण ने रावण की प्रतिमा लगाने की बात क्यों नही उठाई। क्या कभी राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने इस पर विचार किया, नही किया यदि किया होता तो विकास दुबे की प्रतिमा लगवाने की बात उनके मुख से न निकलती। ढेर सारी बातें है जो समाज के बीच बोली जा सकती है, उठाई जा सकती है। उन्हें न बोल कर हमें ब्राह्मण समाज को सर्व समाज में उपहास कराने वाली बातें बोलना किसी ब्राह्मण को इसका अधिकार नही होना चाहिये। हमें सवर्ण आयोग बनाने व गरीब नौजवान ब्राह्मणों की रोजी रोटी की बात उठानी चाहिये। हमें उन अफसरानों को आगे लाने की बात करनी चाहिये जो 3 व 4 वर्षों से आज भी किनारे पड़े है। विद्वान ब्राह्मण त्रिपाठी जी को भगवान परशुरामजी जो त्रेता द्वापर व वर्तमान कलयुग में भी है उनकी प्रतिमा लगवाने की बात करनी चाहिये। हिन्दू समाज को एक नई दिशा देने रामचरित्रमानस पाठ जैसे महान धार्मिक ग्रन्थ की रचना कर रामचरित्रमानस पाठ का शुभारम्भ कराने वाले पूज्य गोस्वामी तुलसीदास जी की प्रतिमा लगवाने की बात करनी चाहिये। हमें महृषि दधीचि जैसे ऋषि जिन्होंने देवताओं के कल्याणार्थ अपनी हड्डिया दे दीं उनकी प्रतिमा लगवाने की बात करनी चाहिये। त्रिपाठी जी को जगत के पालनहार भगवान विष्णु जी को लात मारने वाले महर्षि भृगु की और वनवास के दौरान श्रीराम जी की मदद व उन्हें दिव्यास्त्र भेंट करने वाले महर्षि अगस्त्य जैसे ऋषि मुनियों की बात करनी चाहिये न की ब्राह्मण समाज के ही वीर सपूतों को मौत के घाट उतारने वाले विकास दुबे की। त्रिपाठी जी को विकास दुबे के परिवारीजनों को परेशान करने पे बात उठाने का तो अधिकार है, परन्तु जैसे किसी को भी विद्वान ब्राह्मण रावण की पूजा करने का अधिकारी नही उसी तरह किसी भी ब्राह्मण को विकास दुबे व श्री प्रकाश शुक्ला जैसे अपराधियों की प्रतिमा लगवाने की बात करने का अधिकार नही और न ही ये ब्राह्मण समाज के हित में है।

'जनता की सांसे छीनने वाली भाजपा अब जनता का आशीर्वाद लेने जाएगी' : अखिलेश यादव

लखनऊ, (वेबवार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों के अपने अपने संसदीय क्षेत्रों में 'जन आशीर्वाद यात्रा' निकालने और लोगों से संपर्क करने की योजना पर शुक्रवार को तंज किया और कहा कि लोगों का सुख चौन छीनने वाली पार्टी अब लोगों से आशीर्वाद मांगने जाएगी। सपा प्रमुख ने शुक्रवार को ट्वीट किया, '' सुना है वो भाजपा गाँव–गाँव जाकर 'आशीर्वाद' लेगी जिसने जनता की साँस छीन ली पर ऑक्सीजन नहीं दी।'' यादव ने लिखा, ''महँगे सिलेंडर से चूल्हे बुझा दिए, महँगी बिजली से घरों में अंधेरा कर दियाय किसान–मजदूर, महिला, शिक्षक, युवा, दलित, पिछड़े सबका उत्पीड़न किया, काम–रोजगार दिया नहीं, रोजी–रोटी और छीन ली।'' अखिलेश यादव का यह ट्वीट दो दिन पहले दिल्ली में हुई भाजपा सांसदों की उस बैठक के

बाद आया है जिसमें तय हुआ है कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए उत्तर प्रदेश के सांसद अपने–अपने संसदीय व आसपास के क्षेत्रों में ''जन आशीर्वाद यात्रा'' निकालेंगे। पार्टी ने कम से कम 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाने और लोगों से संपर्क करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार और बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के सांसदों की क्षेत्रवार बैठक की और सभी सांसदों को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने और अपने–अपने संसदीय क्षेत्रों में शत–प्रतिशत टीकाकरण की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में पिछले दिनों हुए विस्तार में सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश को मिला। विभिन्न जाति व वर्ग से आने वाले प्रदेश के सात सांसदों को मंत्री बनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी सहित केंद्रीय मंत्रिमंडल में अब 15 मंत्री उत्तर प्रदेश से हैं। पहली बार ऐसा हुआ है जब केंद्र सरकार में इतनी बड़ी संख्या में राज्य को प्रतिनिधित्व मिला है।

युवक की हत्या में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

सोहरामऊ, जनपद उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल निर्देशन एवं श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव व श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय हसनगंज के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सोहरामऊ पुलिस द्वारा युवक की हत्या में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा के साथ संवाददाता योगेश द्विवेदी

भाजपा द्वारा ब्लॉक फूलबेहड़ में प्रधान, बी. डी.सी का स्वागत समारोह संपन्न।

पार्टी द्वारा नवनिर्वाचित प्रदेश संयोजक राजा राजेश्वर सिंह का भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया अभिनन्दन ।

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। फूलबेहड़ ब्लॉक के सभागार में श्रीनगर विधायक मंजू त्यागी की अध्यक्षता में नव निर्वाचित प्रधान व बी.डी.सी का भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों व ब्लॉक प्रमुख बीना सिंह की मौजूदगी में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विश्वनाथ सिंह के द्वारा उनको शाल उढाकर व माला पहनाकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील सिंह थे। कार्यक्रम में खीरी भाजपा नेता व नव निर्वाचित प्रदेश संयोजक राजा राज राजेश्वर सिंह का कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत व सम्मान हुआ व आज उनके आगमन पर श्रीनगर विधानसभा के अतिरिक्त सीतापुर रोड व निघासन रोड में भाजपा के जिला तथा मंडल पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा उनके स्वागत में जगह जगह होर्ल्डिग लगाई गयी। राजा साहब ने अपने उद्‌बोधन में सभी नवनिर्वाचित प्रधान व बीडीसी तथा ब्लाक प्रमुख को बधाई दी व बताया कि मौजूदा सरकार का सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य व अंतोदय के सिद्धांत पर वे सभी कार्य करें जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचे । कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष डा. रामनरेश शर्मा, रमेश श्रीवास्तव , प्रदेश परिषद के सदस्य विनोद शंकर अवस्थी (विनोद धौराहरा) सभी मंडल अध्यक्ष ,ब्लॉक के सभी

अनिल यादव, जिला मंत्री रामआसरे कनौजिया, पूर्व ब्लॉक प्रमुख महेन्द्र सिंह , संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी मंडल के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता व प्रधान , बीडीसी मौजूद थे ।

पलिया विधायक रोमी साहनी फिर पहुंचे गांव कुकहापुर,और बीमार सर्वज्ञ सिंह चौहान को दिया हॉस्पिटल बेड

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। ब्लॉक बाकेगंज की ग्रामसभा सिसनोर के ग्राम कुकहापुर में सर्वज्ञ सिंह चौहान पुत्र परमेश्वरदीन को विधायक रोमी साहनी की जानकारी विधायक रोमी साहनी को हुई, तो विधायक रोमी साहनी ग्राम कुकहापुर पहुंचे, घायल सर्वज्ञ की हालत देख विधायक रोमी साहनी ने आर्थिक सहायता दी और

ने दी हॉस्पिटल बेड, सर्वज्ञ चौहान कुछ माह पहले बाहर मजदूरी करने गए थे वहाँ जेसीबी से चोट लगने से बुरी तरह घायल हो गए और कमर के नीचे का हिस्सा काम करना बंद कर दिया, सर्वज्ञ चौहान के घायल होने एक बेड देने को कहा था, जो फिर विधायक रोमी साहनी पहुंचे सर्वज्ञ चौहान के घर और दी हॉस्पिटल बेड, बीमार सर्वज्ञ चौहान के आंखों में आंसू आ गए और विधायक को बताया अपना भगवान।

चिकित्सा पाठ्यक्रमों में आरक्षण देर से और चुनावी राजनीतिक स्वार्थ के लिए लिया गया फैसला : मायावती

लखनऊ, (वेबवार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने एमबीबीएस एवं दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण का प्रावधान किये जाने के केंद्र सरकार के फैसले पर शुक्रवार को निशाना साधते हुए कहा कि यह चुनावी राजनीतिक स्वार्थ के लिए लिया गया फैसला लगता है। केंद्र ने अखिल भारतीय आरक्षण योजना के अंतर्गत मौजूदा शैक्षणिक सत्र 2021–22 से स्नातक एवं स्नातकोत्तर चिकित्सा एवं दंत पाठ्यक्रमों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बसपा प्रमुख ने ट्वीट किया, ''देश में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की अखिल भारतीय स्नातक एवं स्नातकोत्तर सीटों में ओबीसी आरक्षण की घोषणा काफी देर से उठाया गया कदम है।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार अगर यह फैसला पहले ही समय से ले लेती तो इन वर्गों को अब तक काफी लाभ हो जाता, किन्तु अब लोगों को यह चुनावी राजनीतिक स्वार्थ हेतु लिया गया फैसला लगता है।'' मायावती ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, ''वैसे बसपा बहुत पहले से सरकारी नौकरियों में एससी, एसटी और ओबीसी कोटा के बैकलॉग पदों को भरने की मांग लगातार करती रही है, किंतु केंद्र व उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी सरकारें इन वर्गों के वास्तविक हित एवं कल्याण के प्रति लगातार उदासीन बनी हुई हैं, जो बहुत दुखद है।

मोरवा पुलिस ने 2 माह से फरार बलात्कारी चाचा को उत्तर प्रदेश चोपन से किया गिरफ्तार

जिस पर सिंगरौली पुलिस अधीक्षक के द्वारा किया रू 5000 का इनाम घोषित

अमित पाण्डेय

सिंगरौली म प्र। मध्यप्रदेश सिंगरौली मोरवा पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सिंह के दिशा निर्देश ैच सिंगरौली– अनिल सोनकर के मार्गदर्शन एवं ैक्च्च मोरवा– राजीव पाठक के सतत निगरानी में मोरवा थाना प्रभारी मनीष त्रिपाठी के द्वारा' अलग अलग टीम बनाकर आरोपी की पता तलाश की जाने लगी जो लगातार भागता रहा मोबाइल बंद कर पकड़ में नहीं आ रहा था जिस पर गिरफ्तारी हेतु सिंगरौली पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सिंह के द्वारा 5000 रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आपको बता दें कि– दिनांक 08/06/ 2021 को पंजरेह निवासी एक 13 वर्षीय बालिका अपने माता पिता के साथ थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि जब वह अपने रिश्तेदार के यहां शादी में गई थी, तभी विदाई की रात रिश्ते के बड़े पापा ने उसके साथ सुने कमरे में ले जाकर ज्यादती की इस रिपोर्ट पर तत्काल थाना प्रभारी मोरवा के द्वारा अपराध क्रमांक तीन सौ 1921

धारा 342 376, 376 (3) भादवि 3/4 पाक्सो कायम कर आरोपी की तलाश की जाने लगी जो पकड़ में नहीं आ रहा था। वही मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि– आज चोपन सोनभद्र उत्तर प्रदेश में आरोपी के होने की सूचना थाना प्रभारी– मनीष त्रिपाठी को मिली जिस पर एक टीम रवाना कर आरोपी को चोपन रेलवे स्टेशन से मुंबई महाराष्ट्र भागने के पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया, आरोपी राजकुमार कोल पिता बीरबल कोल उम्र 42 वर्ष साकिन पंजरेह ने जब बच्ची के साथ बलात्कार किया उसी दिन आरोपी की बेटी की शादी थी जिसमें पीड़िता शामिल होने आई थी। संपूर्ण कार्यवाही में मोरवा थाना प्रभारी मनीष त्रिपाठी के सतत निगरानी में उप निरीक्षक सरनाम सिंह बघेल, विनय शुक्ला, रूपा अग्निहोत्री, प्रधान आरक्षक संतोष सिंह, संजय सिंह परिहार, अर्जुन सिंह, आरक्षक सुबोध तोमर,साइबर सेलबैढ़न से उपनिरीक्षक–जितेंद्र भदौरिया,आरक्षक सोबाल वर्मा,दीपक परस्ते कोतवाली बैढ़न से आरक्षक अभिमन्यु उपाध्याय शामिल थे।

कोलकाता के गोदाम में लगी आग, कोई हताहत नहीं

कोलकाता, (वेबवार्ता)। कोलकाता के उल्टाडांगा इलाके में एक गोदाम शुकवार को आग लग गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कैनाल ईस्ट रोड स्थित प्रतिष्ठान में सुबह करीब पांच बजे लगी आग में कोई हताहत नहीं हुआ है। मौके पर दमकल विभाग की सात गाड़ियों को भेजा गया और एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है और वहां हुए नुकसान का भी अनुमान लगाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, ''पिछले दिन भारी बारिश के बाद बिजली के शॉर्ट–सर्किट के कारण शायद आग लग गई, लेकिन अभी उसके उचित कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है। मौके पर शीतलन प्रक्रिया जारी है।

सम्पादकीय

भीख अस्तित्व के लिए

सर्वोच्च न्यायालय ने भीख और भिखारियों पर एक बेहद संवेदनशील और मानवीय फैसला सुनाया है। भीख कोई पसंदीदा पेशा नहीं है। वह एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है। शिक्षा और रोजगार के अभाव में भीख मांगना एक विवशता है, क्योंकि व्यक्ति और परिवार के अस्तित्व का सवाल है। बुनियादें जरूरतें भी पूरी करनी हैं। रोटी भी खानी है, लिहाजा जब जिंदगी विकल्पहीन हो जाए, तो आदमी के लिए भीख मांगना एक इनसानी मजबूरी है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डी.वाई.चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम. आर.शाह की न्यायिक पीठ ने भीख मांगने और भिखारियों के संदर्भ में जो कुछ कहा है, उपरोक्त वाक्य उसी का सारांश हैं। सुप्रीम अदालत ने साफ कहा है कि वह सड़कों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों से भिखारियों को हटाने का आदेश नहीं दे सकती। भीख पर प्रतिबंध भी थोपा नहीं जा सकता, क्योंकि वह निराश्रित और असहाय जमात है, जिसके पास आर्थिक रोजगार का कोई जरिया नहीं है।

न्यायिक पीठ ने संभ्रांत वर्ग का नजरिया भी अपनाने से इंकार कर दिया। इस तरह शीर्ष अदालत ने सरकारों और संसद के मंथन के लिए एक बेहद मानवीय और सामाजिक कल्याण का मुद्दा उछाल दिया है। भिखारी भारत में ही नहीं, अमरीका और यूरोप सरीखे विकसित देशों में भी हैं। उनका भीख मांगने का तरीका भिन्न है। वे अपने कुत्तों के नाम पर भीख मांगते हैं। यह दीगर है कि उन देशों में सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था है और भारत में शिक्षा तथा रोजगार की बुनियादी, संवैधानिक जरूरतों की भी गारंटी नहीं है। नई परिभाषा के साथ 'गरीबी हटाओ' के प्रयास सरकारें कर रही हैं और रोजगार मुहैया कराने के मोटे–मोटे दावे भी किए जाते रहे हैं, लेकिन भिखारी हमारी व्यवस्था की सामाजिक–आर्थिक नीतियों के बदसूरत यथार्थ हैं। भारत में 2011 की जनगणना के मुताबिक, 4,13,670 भिखारी हैं। उनमें पुरुष और महिलाएं दोनों ही शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक 81,224 भिखारी हैं और उप्र में यह गिनती 65,835 है। देश की राजधानी दिल्ली में भी 2187 भिखारी हैं। चूंकि ये आंकड़े 10 साल पुराने हैं, लिहाजा भिखारियों की संख्या कई गुना बढ़ चुकी होगी। निष्कर्ष 2021 की जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने के बाद ही सामने आएगा। यह खुलासा तत्कालीन केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री थावर चंद गहलोत ने राज्यसभा में किया था। दिलचस्प है कि भीख के खिलाफ या उसके मद्देनजर भारत में कोई भी केंद्रीय कानून नहीं है। हालांकि देश के 20 राज्यों और 2 संघशासित प्रदेशों के अपने भीख रोधी कानून हैं। बॉम्बे भीख निरोधक कानून ही इन कानूनों का बुनियादी आधार है। वह पुलिस और सामाजिक कल्याण विभागों को अनुमति देता है कि बेघर लोगों को सिर्फ पकड़ा जाए और जो बिल्कुल निराश्रित हो, उसे हिरासत–केंद्र में भेजा जाए, लेकिन निर्मूलता और दस्तावेजों के अभाव में स्थानीय प्रशासन के लिए यह आसान नहीं है कि वह अपनी न्यूनतम जिम्मेदारी से ही पल्ला झाड़ ले। केंद्र सरकार ने भी भीख को गैर–आपराधिक बनाने के मद्देनजर एक बिल का मसविदा तैयार किया था, लेकिन सरकार स्वैच्छिक और गैर–स्वैच्छिक भीख के अंतर में ही उलझ कर रह गई। ताजा कानूनी स्थिति क्या है, न्यायिक पीठ ने भी उसका उल्लेख नहीं किया। कुछ साल पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी रेखांकित किया था कि कोई भी व्यक्ति भीख मांगना पसंद नहीं करता या अन्य रोजगार से भागना नहीं चाहता। दरअसल भीख मांगने में बहुत प्रयास करने पड़ते हैं, गिड़गिड़ाना पड़ता है, गुहार करनी पड़ती है, तब कुछ पैसा भीख में मिल पाता है। यह समस्या गरीबी, भूमिहीनता, भेदभावपूर्ण नीति, अयोग्यता और शिक्षा–रोजगार के अभाव की कई व्याख्याएं करती है। यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। अभी तो कई ऐसे तथ्य हैं, जो भिखारियों के अपराधी और कामचोर होने की तरफ भी संकेत करते हैं। अदालत के संज्ञान में उन्हें नहीं लाया गया। वे रोजमर्रा के जीवन के अनुभव हैं। आमतौर पर महिलाएं शिशु को गोद में लेकर भीख मांगती हैं, लेकिन उन्हें काम की पेशकश देने पर वे गालियां देने लगती हैं। पुरुषों के संदर्भ में यह देखने को मिला है कि अच्छी कद–काठी के पुरुष भी भीख मांगते हैं। कई स्थानों पर ऐसे भिखारी समूह बनाकर अपराध भी करते हैं। हत्याओं के मामले भी सामने आए हैं। बेशक भीख सामाजिक–आर्थिक समस्या है, लेकिन अदालत को आपराधिक हरकतों पर भी टिप्पणी करनी चाहिए अथवा सरकारों को निर्देश देने चाहिए।

सच को झूठ और झूठ पर पर्दा

–डा. अंजनी कुमार झा–

ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति में ढील और भारी कमी से दिल्ली में मचे हाहाकार, चीत्कार के बीच सैकड़ों जानें जाती रहीं और सरकार–प्रशासन निर्दोष साबित करने में अब भी लगे हैं। संसद के सत्र में झूठ के पुलिंदों को पेश किया जा रहा है। दूसरी लहर में पांच लाख से ज्यादा लोगों को कोरोना ने लील लिया, पर राज्य सरकारों ने तो ऑक्सीजन की कमी से मौत नहीं होने की रिपोर्ट केंद्र को दे दी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने भी केवल इसका वाचन कर दिया। भौंचक रह गया पूरा देश, पर पता नहीं जनप्रतिनिधियों पर इस मिथ्या का कितना असर हुआ। कोई ऐसा शहर, ग्राम नहीं जहां लाशें न बिछी हों। इस बार ऑक्सीजन की कमी से हैरत करने वाली मौतें हुईं। तमाम समाचार पत्र, न्यूज चौनल, सोशल मीडिया पर रुदन, कोहराम और अस्पताल से बिलखते हुए लोगों की वापसी की तस्वीरें, फुटेज देख कर लोगबाग सिहर गए थे। लोगों ने अप्रैल–मई में देखना–पढ़ना–सुनना बंद कर दिया था। मोबाइल की रिंगटोन बजते ही सिहरन हो जाती थी कि क्या पता किनके चल बस जाने की खबर मिले। इन कारुणिक दृश्यों की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए फिर कोई तैयारी तीसरी लहर की दिख नहीं रही है। हां, यह जरूर दिख रहा है कि सभी सूबों की सरकारों ने संयुक्त रूप से झूठ का सहारा लेकर ऑक्सीजन से हुई मौतों को सिरे से खघरिज कर दिया। इस सफेद, काले और रंगीन आदि–आदि झूठों के लिए क्या निचली, नहीं तो सर्वोच्च न्यायालय कोई सजा तय करेगा। अब देश में हर मर्ज की दवा अदालत ही है क्योंकि मीडिया को अपनी सुविधा के हिसाब से झूठा ठहराया जाता है। मिसाल के तौर पर ऑक्सीजन की किल्लत, कालाबाजारी, अस्पताल की लापरवाही की हजारों खबरों को संसद में सिरे से नकार दिया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने सरकार की ओर से बताया कि किसी भी राज्य ने लिख कर नहीं दिया कि ऑक्सीजन की कमी से मृत्यु हुई है। पर मंत्री तो कह सकती थीं कि इस दृश्य को तो पूरा देश मौन होकर देख रहा था। ऐसे में इसे कैसे सत्य माना जाए। हर परिवार ने एक–दो अपने शुभचिंतकों को खोया। कहीं–कहीं तो इस संक्रमण ने पूरे परिवार को लील लिया। यह तो एक झूठ है। दूसरे झूठ पर नजर दौड़ाते हैं तो पता चलता है कि सभी राज्यों ने कोरोना से हुई मौत के आंकड़ों को छिपाया। जब वाशिंगटन पोस्ट ने खुलासा करने के साथ यह लिखना शुरू किया कि सही जानकारी के बिना वैज्ञानिक ढंग से जांच कठिन है तो सरकार झेंपी कि इसी बीच कुछ समाचार पत्रों और चौनलों ने श्मशान घाटों में पंजीकृत दाह संस्कारों की संख्या प्रकाशित और प्रसारित करनी शुरू कर दी जो सरकारी बुलेटिन से काफी ज्यादा थी। जनता का भरोसा फिर डगमगाया। हालांकि इस पर सत्र में चर्चा न होना भी एक पहेली कम, साजिश ज्यादा है। दिलचस्प पहलू है कि इसी दौरान पेगासस कांड ने ऐसे गंभीर मुद्दे की हवा निकाल दी। दिल्ली, छतीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश समेत अधिकांश राज्यों की सरकारों ने झूठ की आड़ ली। जब राज्यों की किरकिरी होने लगी तो राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा ने फिर झूठ लिखा कि केंद्र को ऑक्सीजन के लिए 50 पत्र लिखे, पर रिपोर्ट जो भेजी उसे गोल कर दिया। उसी प्रकार दिल्ली में जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल में 23 अप्रैल को ऑक्सीजन की कमी से 21 मरीजों की गई जानों को लेकर इसके मेडिकल अधीक्षक डा. एसके बलुजा ने मीडिया को दिए बयान में इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि कई बार दिल्ली सरकार को फोन किए गए, चिट्ठी लिखी गई। बत्रा हॉस्पिटल में एक मई को 12 रोगियों की मौत की पुष्टि इसके निदेशक डा. एसएल गुप्ता ने की। दो नहीं, कई निदेशक, अधीक्षक ऐसे बयान दे चुके हैं तो लीपापोती के लिए उनके विरुद्ध दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने चार सदस्यीय समिति गठित कर दी है जो सच का पता करेगी। लोगों ने जो दर्दनाक मंजर देखे, मीडिया के कवरेज, डाक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के लगातार आ रहे बयान, पुष्टि सब झूठ का पुलिंदा। ऐसी झूठी रिपोर्टें संसद में तो कभी विधानमंडल के पटलों पर प्रस्तुत कर एक नहीं, अनेक झूठ की इमारत तैयार की जा रही हैं। सरकार ने बताया कि घरेलू वैक्सीन उत्पादकों के साथ कारज में कोई देरी नहीं की तो फिर एक सवाल जनता के बीच है कि हजारों लोग क्यों टीकाकरण केंद्र से घंटों इंतजार के बाद रोज वापस लौट रहे हैं। हर सुबह लंबे इंतजार और दिहाड़ी छोड़ कर जान की सुरक्षा की खातिर कड़ी धूप तो कहीं तेज बारिश में भीगते जब केंद्र में लंबी लाइन के बाद पहुंचते हैं तो अगले दिन देख लें, यही कहा जाता है। सरकार ने अग्रिम राशि का भी भुगतान कर दिया तो फिर वैक्सीन क्यों नहीं केन्द्रों में पहुंचाई जा रही है। 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के टीकाकरण को पूरा करने का कोई निश्चित समय तय न होना चिंताजनक है। तीसरी लहर शुरू हो गई, किंतु स्वास्थ्य सेवाओं में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। विदित है कि देश में 854 पर सिर्फ एक डॉक्टर है, जबकि 559 पर एक नर्स। हालिया सिरो सर्वे ने सलाह दी है कि देश की 68 फीसदी आबादी पुनः संक्रमित हो सकती है। इस स्थिति में मास्क पहनने और हाथ धोने के नियम को पालन करते हुए शारीरिक दूरी बनाए रखना लाजिमी है। बाजार में रौनक लाने के लिए जिस तरह सब कुछ धड़ल्ले से खुल रहे हैं, ऐसे में इसे रोकना बड़ी चुनौती तब है जब सरकारें झूठ बोलने में माहिर हो गई हैं और लोगों का जीवन भगवान भरोसे है। विशेषज्ञों की मानें तो तीसरी लहर अगस्त और दिसंबर के बीच कभी भी आ सकती है। सरकार को स्वास्थ्य बजट में भारी बढ़ोतरी करने की जरूरत है। वर्तमान में केंद्र कुल जीडीपी का केवल एक प्रतिशत सेहत पर खर्च कर रहा है। उच्चतम न्यायालय के अतिरिक्त मुंबई, पटना, राजस्थान, इलाहाबाद समेत कई हाईकोर्ट ने सरकार को कड़ी फटकार लगाई। इसके बावजूद स्वास्थ्य के मामले में सरकारें उदासीन हैं। इसी कारण मौतों के आंकड़ों को छिपाया जा रहा है। प्रशासन कोविड से हुई मौत का सर्टिफिकेट देने में आनाकानी कर रहा है। जब सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना से हुई मृत्यु के कारण प्रत्येक शोक संतप्त परिवार को साढ़े छह लाख देने को कहा तो वित्तीय कमी का बहाना केंद्र बनाने लगा। कई राज्यों की सरकारें कोरोना को आपदा नहीं मान रही हैं, ताकि मुआवजा न देने पड़े। कोर्ट में गोलमोल जवाब देने के लिए अभी से प्रशासन को तैयार किया जा रहा है। आपदा न मानने का नुकसान यह हुआ कि कोरोना से मरे परिवारों को बीमा कंपनियां मुआवजा नहीं दे रही हैं। कोरोना पीडिघ्त या जान गंवा चुके लोगों के परिजनों को आर्थिक क्षति काफी हो रही है। ऐसे में सरकार से उम्मीद करना व्यर्थ है। कोर्ट ही एकमात्र मार्ग है जिसे भी सरकार बंद करने का उपाय सोच रही है। कंगाल और हताश कोरोना पीडिघ्त परिवार आत्महत्या को विवश हैं। उल्लेखनीय है कि 2017 में नेशनल हेल्थ प्रोफाइल में जिक्र है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित एक अस्पताल पर लगभग एक लाख आबादी निर्भर करती है। वर्तमान में बिस्तर की उपलब्धता मामले में भारत का 167 देशों में 155वां स्थान है। यह बांग्लादेश, केन्या और चिली से भी पीछे है। लोगों की मजबूरी है कि वे प्राइवेट हॉस्पिटल की तरफ दौडें। एक अनुमान के मुताबिक देश में अच्छे इलाज के लिए छह करोड़ लोग गरीबी की रेखा से नीचे धकेल दिए जाते हैं।

(स्वतंत्र लेखक)

विकासखंड मिश्रिख देव तुल्य क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं प्रधान सम्मान एवं स्वागत समारोह में मातृशक्ति के रूप में बहनों एवं माताओं का लिया आशीर्वाद

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। विकासखंड मिश्रिख देव तुल्य क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं प्रधान सम्मान एवं स्वागत समारोह में मातृशक्ति के रूप में बहनों एवं माताओं का आशीर्वाद प्राप्त हुआ 29 जून ब्लॉक सभागार मिश्रिख मुख्य अतिथि माननीय रामकृष्ण भार्गव विधायक मिश्रिख विशिष्ट अतिथि दादा, यतींद्र अवस्थी बबलू पूर्व चेयरमैन, राम गोपाल अवस्थी सदस्य जिला पंचायत सीतापुर, भास्कर श्री राकेश वर्मा प्रधान, दिलीप गुप्ता प्रधान सत्यपाल वर्मा प्रधान फूलपुर, दाता राम यादव प्रधान, राधे प्रधान बिजौली, वीरेंद्र प्रधान यशस्वी क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रधान श्री पवन सिंह मोनू प्रधान लकड़िया मऊ दीपक प्रधान रमवापुर पवन भैया प्रधान रंजीत राजवंशी भैया प्रधानसत्यम प्रधान प्रिय अनुज विनीत मिश्रा एवं खंड विकास अधिकारी समस्त सहायक विकास अधिकारी जूनियर इंजीनियर तकनीकी सहायक मनरेगा

मिश्रा मंडल अध्यक्ष भाजपा, सतीश शास्त्री मंडल अध्यक्ष भाजपा, अजय शुक्ला जिला कोषाध्यक्ष हाजी साबिर अली मुन्ना, रहमत चाचा,जगदीश बाबू शुक्ला प्रिय भतीजे बबलू पांडे प्रमुख प्रतिनिधि, राजन भैया, राजू सिंह भैया, अवधेश सिंह भैया, भोला भैया अमित भैया साहब नगर, देशराज यादव जी प्रिय, जयंत यादव जी, होरी लाल पांडे दादा, विनोद दादा डॉक्टर कन्हैयालाल राजवंशी बड़े भाई, राम किशोर वर्मा प्रधान ग्राम पंचायत अधिकारी विभिन्न विभागों के अधिकारी प्रभारी निरीक्षक महोदय मिश्रिख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विस्तारक एवं प्रचारक, आशीष जी व अन्य क्षेत्र सभी गणमान्य लोगों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ सभी को नमन एवं प्रणाम सबका नाम मेरे हृदय में है जो लोग भी ब्लॉक परिसर में आए आजीवन उनका ऋणी रहूंगा उनके चरणों में मेरा नमन एवं प्रणाम आपका रामकिंकर पांडे प्रमुख मिश्रिख।

बाल कल्याण समिति ने पौने पांच साल में की आठ हजार मामलों की सुनवाई

बच्चों को बेहतर माहौल देने का किया प्रयास

ऑनलाइन प्रेस कान्फ्रेंस में पेश किया कार्यकाल का ब्योरा

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। बाल कल्याण समिति, लखनऊ ने पौने पांच वर्ष में बच्चों से सम्बन्धित लगभग आठ हजार मामलों में सुनवाई की। इनमें अधिकतर मामले बच्चों के आश्रय, बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति, माता–पिता से नाराज होना तथा किशोर–किशोरियों का पलायन, बाल विवाह आदि से संबंधित रहे । इस बात की जानकारी गुरूवार को बाल कल्याण समिति लखनऊ ने ऑनलाइन प्रेस कान्फ्रेंस में दी। बताया कि बाल कल्याण समिति लखनऊ ने 23 दिसंबर 2016 को कार्यभार संभाला था। वैसे तो कार्यकाल तीन वर्ष का होता है, परंतु कुछ विभागीय कारणों से कार्यकाल बढ़कर पौने पांच साल का हो गया । अपने इस पौने पांच साल में बाल कल्याण समिति में लगभग 8000 मामलों को लिया । इनमें अधिकतर मामले बच्चों के आश्रय, बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति, माता–पिता से नाराज होना तथा किशोर–किशोरियों का पलायन, बाल विवाह आदि से संबंधित रहे । अपने इस कार्यकाल में हर तरह की चुनौतियों का सामना बाल कल्याण समिति ने किया । कई ऐसे मामले भी आएं जो मुख्यतः पति–पत्नी के आपसी झगड़े के थे, परंतु उसमें बच्चे प्रताड़ित हो रहे थे । जिस अभिभावक के पास बच्चा होता वह दूसरे को उससे नहीं मिलने देता, और बच्चा तथा दूसरे अभिभावक परेशान होते । ऐसे में बाल कल्याण समिति ने अपने ही परिसर में बच्चे से अभिभावक को मिलाया। इसी तरह के एक मामले में बच्चे की मां ने हाईकोर्ट में बाल कल्याण समिति लखनऊ के खिलाफ अपील की । जहां बाल कल्याण समिति के फैसले को सही ठहराया गया ।

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष कुलदीप रंजन के साथ ही सदस्य ऋचा खन्ना, विनय कुमार श्रीवास्तव, सुधा रानी, डॉ. संगीता शर्मा ने बताया कि अपने कार्यकाल में बाल कल्याण समिति ने अथक प्रयास करके बच्चों को अच्छे से अच्छा माहौल देने के लिए अपने परिसर में बाल मित्रवत वातावरण रखा और वकीलों को परिसर में आने से रोका । जिससे अभिभावक अपनी बात को मूल रूप से रख सके और उनका पैसा भी बच सके । नवजात शिशुओं के मामले में भी काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अधिकतर नवजात शिशु बहुत ही कमजोर और कम वजन के मिलते हैं, जिन्हें रखने के लिए अक्सर ही परेशानियों का सामना करना पड़ता था । बाल कल्याण समिति लखनऊ में नेल्सन हॉस्पिटल के डॉ. अजय मिश्रा द्वारा बाल गृह शिशुओं में आने वाले नवजात शिशुओं का इलाज कराना शुरू किया । इस तरह के प्रयास से कई कमजोर बच्चों की जान बच सकी ।

इस दौरान बाल कल्याण समिति ने कई रचनात्मक कार्य भी किये। उनमें मुख्य रूप से बाल गृहों में मेडिकल कैंप, बालगृह शिशु में पुस्तकालय की स्थापना, योग तथा मेडिटेशन की शुरुआत, कथा रंग तथा कथा कथन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से बालगृहों में स्टोरी टेलिंग बच्चों को फास्टर केयर में दिया गया । जिसमें कुछ बच्चे फिट फेसलिटी उपयुक्त सुविधा तंत्र तथा कुछ बच्चे व्यक्तिगत रूप से फास्टर केयर में दिए गए ।

कोविड के दौरान बाल कल्याण समिति के सामने कई बड़ी चुनौतियां सामने आई। इसमें घरों से पलायन किए हुए बच्चों को रखने की एक बड़ी समस्या रही। पूरे कोविड काल में ऐसे कई मामले आये। जिसमें बाल कल्याण समिति निरंतर देखरेख करती रही। चाहे वह बच्चों को आश्रय देना हो या उनकी घर वापसी हो । 2020 में लॉकडाउन के दौरान बाल विवाह के लगभग 14 मामले सामने आए, जिन्हें तत्परता से रुकवाया गया । मई 2021 में 29 बालिकाएं राजकीय बालगृह बालिका कोविड पाजिटिव पाई

गई । जिनके आईसोलेशन के लिए गृह में स्थान की कमी थी । बाल कल्याण समिति ने बाल आयोग तथा सेवा भारती से संपर्क कर आईसोलेशन सेंटर की व्यवस्था की। जिसमें निरंतर समिति व आयोग के सदस्य बच्चों के संपर्क में रहे और प्रति–दिन उनके लिए किसी न किसी तरह के कार्यक्रम का आयोजन करते रहे । 29 बालिकाएं लगभग 15 दिन इस आईसोलेशन सेंटर में रही और स्वस्थ्य होकर वापस गृह में चली गई । कोविड से अभिभावक की मृत्यु के लिए मुख्यमंत्री की बाल सेवा योजना के लिए बाल कल्याण समिति ने कई बच्चों के घर जाकर उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें योजना से जोड़ा ।

अपने इन पौने 5 साल के कार्यकाल में बाल कल्याण समिति को डीपीओ तथा विभाग के सभी अधिकारियों का सहयोग मिला । पुलिस, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्डलाइन लखनऊ तथा अन्य बच्चों के साथ काम कर रही एन. जी.ओ. ने पूर्ण सहयोग दिया ।

वैभव सिंह कसमंडा ब्लाक प्रधान संघ अध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। सिधौली तहसील के ब्लाक कसमंडा के प्रधान संघ चुनाव में प्रधान संघ का उपाध्यक्ष सुनीत सिंह को मनोनीत किया गया। साथ ही बड़े भाई श्री वैभव सिंह जी को अध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर माननीय कैबिनेट राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश श्री लाल जी प्रसाद निर्मल जी के द्वारा सम्मान प्राप्त हुआ। गुरुवार को इस अवसर पर उपस्थित समस्त ग्राम प्रधान व सहयोगी मित्रों व भाईयों का हार्दिक धन्यवाद एवं मुझ पर विश्वास दिखाते हैं मुझे प्रदान किये गए इस नव दायित्व के फलस्वरूप शीर्ष का बहुत बहुत आभार एवं अभिनंदन।

किसी मसीहा से कम नही हैं विधायक रोमी साहनी

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। जब विधायक रोमी साहनी भैंस व उसकी पडडी लेकर गरीब धर्मेंद्र भार्गव के घर पहुंचे, पति पत्नी के आंखों में आंसू आ गए। पलिया की जनता को जब भी कोई भी परेशानी होती है। विधायक जी हर सम्भव मदद के लिए उनके दरवाजे पर पहुँचते है फिर वो किसी गरीब के यहां शादी हो या फिर कोई और मदद अभी दो दिन पूर्व करेंट लगने से एक गरीब व्यक्ति धर्मेंद्र भार्गव की भैंस मर गयी थी ग्राम संसारपुर के धर्मेन्द्रभार्गव पुत्र राजकरन भार्गव के घर पहुंचे विधायक, पति धर्मेन्द्र व पत्नी माधुरी देवी दोनों रो रहे थे, दो दिन पूर्व धर्मेंद्र भार्गव की भैंस बिजली करंट लगने से मर गई थी। परिवार में दो दिनों से कुछ भी नही खाया था संसारपुर के लोगो ने विधायक रोमी साहनी को फोन कर बताया कि संसारपुर में धर्मेंद्र भार्गव की भैंस के मर जाने से उसके परिवार में दो दिनों से कुछ नही खाया तो विधायक रोमी साहनी लखनऊ से आ कर एक भैंस व पडडी खरीदी जिसकी कीमत 35000 पैंतीस हजार रुपये है विधायक रोमी साहनी खुद भैंस लेकर धर्मेंद्र भार्गव के घर पहुंच कर भैंस दी।

अगले साल 14 जनवरी को रिलीज होगी प्रभास की 'राधे श्याम'

नयी दिल्ली, (वेबवार्ता)। 'बाहुबली' के बाद से प्रभास के फैंस उनकी हर फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इन दिनों प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'राधे श्याम' काफी चर्चा में हैं। लोग इसकी रिलीज डेट सामने आने का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर

रहे हैं। और आज फैंस का ये इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि राधे श्याम की रिलीज डेट सामने आ गई है। प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर राधे श्याम का नया पोस्टर रिलीज किया है जिसके साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। प्रभास और पूजा हेगड़े की फिल्म 'राधे श्याम' 14 जनवरी 2022 को रिलीज होगी। पोस्टर में प्रभास डेपर लुक में यूरोप की सड़कों पर टहलते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा है, 'अब मैं इंतजार नहीं कर सकता कि आप लोग रोमांटिक फिल्म 'राधे श्याम' देखें। फिल्म की नई रिलीज डेट 14 जनवरी 2022'। पहले फिल्म 30 जुलाई को रिलीज होने वाली थी लेकिन महामारी को देखते हुए बाकी फिल्मों की तरह इस फिल्म को भी आगे बढ़ा दिया गया। फिल्म के बारे में बात करें तो 'राधे श्याम' एक पीरियड रोमांटिक–ड्रामा फिल्म है। ये एक बहुभाषी फिल्म होगी जिसे हिंदी के अलावा अंग्रेजी और तेलुगू में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन राधा कृष्ण कुमार कर रहे हैं, जबकि इसके निर्माताओं में वामसी कृष्णा रेड्डी, प्रमोद उप्पलपति और भूषण कुमार शामिल हैं। यह प्रभास के करियर की 20वीं फिल्म है। इसीलिए इसे ग्रैंड लेवल पर बनाया जा रहा है। फिल्म में हिंदी सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस भाग्यश्री भी एक अहम रोल में नजर आएंगी।

सरकार: वारी पाता से महेश बाबू का फर्स्ट लुक 31 जुलाई को जारी होगा

हैदराबाद, (वेबवार्ता)। तेलुगू सुपरस्टार महेश बाबू ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म सरकारू वारी पाता (गवर्नमेंट बिड) की शूटिंग फिर से शुरू की। अब, निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म से

अभिनेता का पहला लुक 31 जुलाई को जारी किया जाएगा। सरकारू वारी पाटा का निर्देशन परशुराम पेटला कर रहे हैं और इसकी शूटिंग यहां हो रही है। फिल्म की प्रोडक्शन टीम के मुताबिक, मेकर्स ने महेश के किरदार के मुख्य विवरण को छुपाते हुए उनके फर्स्ट लुक का एक छोटा सा टीजर जारी किया। वे 31 जुलाई को अपने चरित्र का पहला रूप प्रकट करना चाहते हैं। नए पोस्टर में वह हाथ में बैग लिए चलते नजर आ रहे हैं। कई कारें, बाइक और जमीन पर मौजूद कुछ गुंडे भी तस्वीर का हिस्सा हैं। जाहिर है, पोस्टर एक एक्शन सीक्वेंस का है। फिल्म का निर्माण नवीन यरनेनी, वाई. रविशंकर, राम अचंता और गोपीचंद अचंता संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभिनेत्री कीर्ति सुरेश सरकारू वारी पाता में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

टाइगर प्रिंट ड्रेस में काफी आकर्षक लग रहीं नोरा फतेही

मुंबई, (वेबवार्ता)। अभिनेत्री नोरा फतेही सोशल मीडिया पर शेयर की गई अपनी लेटेस्ट फोटो में काफी बेहद खूबसूरत लग रही हैं। नोरा ने इंस्टाग्राम पर अपनी पूरी तरह से टोन्ड ऑवरग्लास फ्रेम फ्लॉन्ट करते हुए तस्वीरों का एक सेट पोस्ट किया। अभिनेत्री एक टाइगर प्रिंट कट–आउट क्रॉप टॉप और एक थाई हाई स्लिट स्कर्ट पहने समुद्र तट पर पोज देती हुई दिखाई दे रहीं हैं। उन्होंने अपने लुक को चंकी गोल्ड ईयररिंग्स और न्यूड लिप–स्टिक से पूरा किया हुआ है। नोरा फतेही ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें वह काफी बोल्ड और हॉट नजर आ रहीं हैं। तस्वीरें सामने आते ही काफी तेजी से वायरल हो रहीं हैं। तस्वीरें साझा करने वाली वेबसाइट पर पोस्ट की गई तस्वीरों पर 12 लाख से अधिक लाइक्स आ चुके हैं। नोरा आगामी फिल्म भुज : द प्राइड ऑफ इंडिया में एक जासूस की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसमें अजय देवगन, संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा, शरद केलकर, अम्मी विर्क और प्रणिता सुभाष भी हैं।

सेलिना जेटली को ब्रेस्टफीड वाली फोटो के लिए किया था ट्रोल, 9 साल बाद भी भुला नहीं पाई ये दर्द

मुंबई, (वेबवार्ता)। एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने अपनी एक पुरानी फोटो शेयर कर लोगों से सवाल पूछा है। सेलिना ने बताया कि साल 2012 में उन्हें इस फोटो के लिए सोशल मीडिया पर जबदस्त तरीके से ट्रोल किया गया। दरअसल 9 साल पहले सेलिना ने अपने जुड़वा बच्चों को जन्म को जन्म दिया था। और ब्रेस्टफीड कराने हुए फोटो शेयर की थी। सेलिना ने बताया कि उन्होंने ये फोटो बड़े दिल से शेयर की थी और आजतक समझ नहीं पाई कि उन्हें इसपर ट्रोल आखिर किया क्यों गया। उन्होंने लिखा मुझे कभी समझ नहीं आया कि मुझे ट्रोल क्यों किया गया। यदि आप अधिक वजन वाले हैं तो वे आपको ट्रोल करते हैं, यदि आप बहुत अच्छे लगते हैं तो वे आपको ट्रोल करते हैं, आपका बच्चा किस तरह से स्वतंत्र रूप से किक मारता है, इसे बच्चे की उपेक्षा कहा जाता था, बिना उस मां को कभी भी ब्रेक दिए, जिसे लगातार जज किया जाता है। मेरे जैसा कोई व्यक्ति जो कुछ भी करता है उसके पीछे के कारणों का अनुमान लगाने

का अधिकार किसी को भी क्यों होना चाहिए जो उनकी पूर्वकल्पित धारणाओं के अनुसार नहीं है।' उसने अपने नोट को समाप्त करते हुए कहा, 'इससे पहले कि हम किसी के बारे में निष्कर्ष पर पहुंचें, कृपया याद रखें कि एक तस्वीर सही हो सकती है लेकिन इसके पीछे कभी–कभी कई खामियों और चुनौतियों की कहानियां होती हैं, जिन्हें बड़े तप से दूर किया जाता है। उस समय, मैं खुद को विचलित नहीं करना चाहती थी। मेरे पहले मातृत्व के आनंद से दूर लेकिन उस याद ने आज मुझे इस फोटो को शेयर करने के लिए फोर्स किया। काश लोग यह समझ पाते कि एक आदर्श मां बनने का कोई रास्ता नहीं है और एक अच्छी मां बनने के लाखों तरीके हैं।

कविता कृष्णमूर्ति ने शेयर की हवा हवाई के बोल के पीछे की कहानी

मुंबई, (वेबवार्ता)। प्रसिद्ध गायिका कविता कृष्णमूर्ति ने पिछले कुछ वर्षों में कई चार्टबस्टर ट्रैक दिए हैं। फिल्म मिस्टर इंडिया का उनका गाना हवा हवाई सबसे लोकप्रिय ट्रैक में से एक है जो अभी भी लोगों को नाचने और गाने के लिए मजबूर कर सकता है। गायक ने अब खुलासा किया है कि गाने की शुरुआती लाइनें कैसे बनीं। कविता ने गाने के निर्माण से जुड़े कुछ दिलचस्प तथ्य साझा किए और इस ट्रैक में असी–तुस्सी और मुंबासा जैसे शब्दों को कैसे शामिल किया गया। कविता ने गीत के बोल और रिकॉर्डिंग के बारे में बात करते हुए कहा, इस गाने के पीछे एक छोटी सी कहानी है। लक्ष्मीजी ने तीन से चार शब्दों की रचना की थी। जब मैं बैठा था, प्यारे भाई संगीतकारों को तैयार कर रहे थे। वास्तव में चार शब्द थे। जब संगीतकार दरवाजा खोलकर लक्ष्मीजी को नमस्ते कहते थे, तो कोई कहता था असी–तुस्सी शब्द

नोट कर लो, लस्सी–पिस्सी जोड़ दो। दूसरे ने कहा, हांगकांग है तो राजा भी होना चाहिए–कांग। उन्होंने कहा, फिर अंत में, लगभग 1.30 से 2 बजे के बीच जावेद साहब आए और कहा कि कल रात उन्हें लगा कि मुंबासा अंतिम शब्द होना चाहिए और इस तरह यह पूरी बात गाने के लिए एक प्रारंभिक परिचय बन गई। कविता सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर इंडियन आइडल 12 के एपिसोड दोस्ती स्पेशल विद कुमार शानू और कविता कृष्णमूर्ति में मुख्य अतिथि बनने जा रही हैं।

रणधीर कपूर ने एक राधा एक मीरा गाने के चयन के पीछे की कहानी बताई

मुंबई, (वेबवार्ता)। अभिनेता रणधीर कपूर ने अपने पिता दिवंगत दिग्गज अभिनेता और निर्देशक राज कपूर से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें साझा कीं। उस दिन को उन्होंने याद किया जब राज और रणधीर ने दिल्ली में एक शादी समारोह में मशहूर गीतकार रवींद्र जैन को एक राधा एक मीरा गाना गाते हुए देखा। अभिनेता स्मृति में खो जाते हैं और कहते हैं, मेरे पिता, राज कपूर साहब और मैं किसी की शादी में दिल्ली गए थे और रवींद्र जैन वहां गा रहे थे। मेरे पिता आगे की पंक्ति में बैठे थे, जबकि मैं उनके ठीक पीछे बैठा था। रवींद्र जैन एक राधा एक मीरा गीत गा रहे थे। मेरे पिता को वास्तव में यह इतना पसंद आया कि उन्होंने उनसे एक बार फिर इसे गाने का अनुरोध किया। उन्होंने पूरे उत्साह के साथ एक बार फिर वही गीत गाया। बीते जमाने के मशहूर अभिनेता रणधीर कपूर टीवी शो इंडियन आइडल 12 में रणधीर कपूर स्पेशल एपिसोड के मुख्य अतिथि बनने जा रहे हैं। उन्होंने एक प्रतियोगी अरुणिता कांजीलाल की प्रस्तुति के बाद इस गाने के पीछे के कुछ किस्से साझा किए। रणधीर कपूर ने आगे कहा कि रवींद्र जैन के गाने के बाद राज कपूर ने गीत और उस फिल्म के बारे में पूछताछ की, जिससे वह लिया गया था। रवींद्र जैन ने कहा कि यह किसी फिल्म से नहीं, बल्कि उनका अपना गीत है। तब मेरे पिता ने उससे पूछा कि क्या वह उन्हें यह गीत दे सकते हैं? वह तुरंत मान गए और मेरे पिता ने उस गीत का इस्तेमाल राम तेरी गंगा मैली में किया। 74 वर्षीय अभिनेता, जो जवानी दीवानी जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, ने बताया कि बाद में राज कपूर ने रवींद्र जैन को रणधीर के घर पर अपने कुछ दोस्तों के साथ आमंत्रित किया। अभिनेत्री बबीता ने भी रवींद्र से वह गाना सुना, और स्वीकृति दे दी। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे अगले दिन, जब वह स्टूडियो गए, तो उन्हें पता चला कि राज कपूर और रवींद्र जैन पुणे के एक फार्महाउस में गए थे और 5 दिनों के भीतर फिल्म रवींद्र राम तेरी गंगा मैली के सभी सात तैयार हुए गीतों के साथ वे वापस आ गए। रणधीर ने कहा, रवींद्र जैन अब तक के सबसे प्रतिभाशाली संगीत निर्देशकों में से एक हैं। सभी गाने रिकॉर्ड किए गए और एक हफ्ते के समय में शूटिंग शुरू हो गई। पूरी फिल्म, राम तेरी गंगा मैली इसी गाने के इर्द–गिर्द घूमती है। यह शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में छत ढहने से तीन लोगों की मौत, चार अन्य घायल

मुजफ्फरनगर (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में भारी बारिश के कारण एक मकान की छत ढहने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि घटना मंसूरपुर थाना क्षेत्र के बेगराजपुर गांव में बृहस्पतिवार रात हुई। भारी बारिश के कारण छत ढह गई थी, जिससे सात लोग घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर जुबैदा (35), मीना (65) और अलीशा (12) को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, इम्तियाज (45), सायरा (40), नगमा (21) और परवेज का इलाज चल रहा है, इन्हें गंभीर चोटे आई हैं।

दिल्ली : विरासत भवनों में खुल सकेंगे गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। दक्षिणी नगर निगम दिल्ली की स्थायी समिति की हुई बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया है, जिसमें विरासत भवनों और परिसरों को रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस और व्यावसायिक बैंकिंग जैसी गतिविधियों के प्रयोग में लाया जाएगा। इससे निगम की आय का स्रोत भी बढ़ेगा और इमारतों की मरम्मत भी हो सकेगी। निगम के अंतर्गत ऐसी 114 इमारतें आती है लेकिन फिलहाल इसकी शुरूआत एक भवन से की जाएगी, यदि भविष्य में एक कारगर साबित हुई तो अन्य भवनों पर ही ये लागू किया जाएगा। दक्षिणी नगर निगम के हेरीटेज सेल के अनुसार, निगम के अधिकार क्षेत्र में कई विरासत भवन है जो दशकों पहले बने थे, समय बीतने के साथ इन विरासत भवनों का ढांचा दिन प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है। इसके अलावा हेरिटेज सेल ने पुष्टि की है कि इन भवनों को ढहाया नहीं जा सकता। निगम ने अपनी रिपोर्ट में महरौली स्थित एक संरक्षित इमारत का जिक्र भी किया है। वहीं निगम इसकी शुरूआत इसी इमारत से करेगा। हालांकि इसके किराया तीन लाख रुपये तय किया गया है और किराए पर देकर निगम इन भवनों से आय कर सकेगा। गुरुवार को हुई दक्षिणी निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष लेफ्टीनेंट कर्नल बीके ओबराय (सेवानिवृत्त) ने इसपर जानकारी देते हुए बताया, हमने एक इमारत पर प्रयास किया है आगामी दिनों में इसके नतीजे क्या आएंगे देखते हैं। इसमें रेस्टोरेंट, कोचिंग सेंटर, अतिति गृह, एटीएम और नैदानिक प्रयोगशाला आदि उपयोग में आ सकती हैं। ये एक रेवनेयु जनरेशन प्रोग्राम है। ऐसी बहुत सारी इमारतें है, जो कि हमारे अधिकार क्षेत्र के अलावा केंद्र सरकार की संरक्षित इमारतों की सूची में है।

सीमा तनाव : असम सरकार ने निवासियों को मिजोरम जाने से मना किया

गुवाहाटी, (वेबवार्ता)। सीमा पर सोमवार को हुए खूनी संघर्ष और उसके बाद के घटनाक्रम के मद्देनजर असम सरकार ने गुरुवार को अपने नागरिकों से पड़ोसी राज्य मिजोरम की यात्रा नहीं करने को कहा है। गृह और राजनीतिक विभाग के आयुक्त और सचिव, एम.एस. मणिवन्नन ने यात्रा परामर्श में कहा कि मौजूदा गंभीर स्थिति को देखते हुए, असम के लोगों को मिजोरम की यात्रा न करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए किसी भी तरह के खतरे को स्वीकार नहीं किया जा सकता। कहा गया है, काम से जुड़ी मजबूरी के चलते मिजोरम में रह रहे असम के लोगों को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। एडवाइजरी में कहा गया है कि असम–मिजोरम सीमा क्षेत्र में हिंसक झड़पों के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें हाल ही में मिजोरम की सीमा से लगे असम के कछार, करीमगंज और हैलाकांडी जिलों में भी शामिल हैं। यह देखते हुए कि सोमवार को कछार ने पुलिसकर्मियों के साथ–साथ नागरिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी देखी, जिसमें छह पुलिसकर्मियों की जान चली गई और कई पुलिस कर्मियों और नागरिकों को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। इस घटना के बाद भी कुछ मिजो नागरिक समाज, छात्र, और युवा संगठन लगातार असम राज्य और उसके लोगों के खिलाफ भड़काऊ बयान जारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, असम पुलिस के पास उपलब्ध वीडियो फुटेज से यह विश्वसनीय रूप से पता चला है कि कई नागरिक स्वचालित हथियारों आदि से भारी हथियारों से लैस हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, यह यात्रा सलाह सभी लोगों को जारी की गई है।

चिकित्सा पाठ्यक्रमों में आरक्षण देर से और चुनावी राजनीतिक स्वार्थ के लिए लिया गया फैसला : मायावती

लखनऊ, (वेबवार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने एमबीबीएस एवं दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण का प्रावधान किये जाने के केंद्र सरकार के फैसले पर शुक्रवार को निशाना साधते हुए कहा कि यह चुनावी राजनीतिक स्वार्थ के लिए लिया गया फैसला लगता है। केंद्र ने अखिल भारतीय आरक्षण योजना के अंतर्गत मौजूदा शैक्षणिक सत्र 2021–22 से स्नातक एवं स्नातकोत्तर चिकित्सा एवं दंत पाठ्यक्रमों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बसपा प्रमुख ने ट्वीट किया, ''देश में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की अखिल भारतीय स्नातक एवं स्नातकोत्तर सीटों में ओबीसी आरक्षण की घोषणा काफी देर से उठाया गया कदम है।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार अगर यह फैसला पहले ही समय से ले लेती तो इन वर्गों को अब तक काफी लाभ हो जाता, किन्तु अब लोगों को यह चुनावी राजनीतिक स्वार्थ हेतु लिया गया फैसला लगता है।'' मायावती ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, ''वैसे बसपा बहुत पहले से सरकारी नौकरियों में एससी, एसटी और ओबीसी कोटा के बैकलॉग पदों को भरने की मांग लगातार करती रही है, किंतु केंद्र व उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी सरकारें इन वर्गों के वास्तविक हित एवं कल्याण के प्रति लगातार उदासीन बनी हुई हैं, जो बहुत दुखद है।

उत्तर प्रदेश के मंत्री ने एम्बुलेंस के ट्वीट पर प्रियंका की आलोचना की

लखनऊ, (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश में एंबुलेंस चालकों को बर्खास्त करने पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी करने पर उन्हें आड़े हाथों लिया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता और वरिष्ठ मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि वह मामले को समझने के बजाय ऐसे लोगों का समर्थन कर रही हैं जो जनसेवा में बाधा खड़ी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह समझना मुश्किल है कि प्रियंका गांधी वाड्रा जैसी नेता इतना गैर–जिम्मेदाराना व्यवहार कैसे कर सकती हैं और सही मामले को जाने बिना सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट कर जनता को गुमराह कर सकती हैं। वह सिर्फ कुछ ऐसा सनसनीखेज करने की कोशिश कर रही है जो झूठ है। यह स्पष्ट करते हुए कि राज्य सरकार का एम्बुलेंस चालकों की हड़ताल से कोई लेना–देना नहीं है क्योंकि ड्राइवर सरकारी कर्मचारी नहीं थे और न ही उन्हें सरकार द्वारा काम पर रखा गया था या निकाल दिया गया था, सभी ड्राइवर निजी कंपनी के कर्मचारी थे और उन्हें उनके द्वारा बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा, इस तरह के बयान केवल यह साबित करते हैं कि प्रियंका राज्य सरकार की छवि खराब करने की कोशिश करने से पहले अपना होमवर्क नहीं करती हैं, जिसने दूसरी कोविड लहर को नियंत्रित करने में जबरदस्त काम किया है। मंत्री ने

आगे कहा, इस समय में जब सभी को सरकार के प्रति अपना समर्थन दिखाना चाहिए। कांग्रेस इस तरह के गैर–जिम्मेदाराना बयानों के माध्यम से लोगों को गुमराह करने और दहशत की स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि, प्रियंका केवल घूमने के लिए उत्तर प्रदेश आती हैं और उनका लोगों से कोई लेना–देना नहीं है। प्रियंका ने गुरुवार को आरोप लगाया था कि यूपी सरकार ने आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (ईएसएमए) लगाकर 500 से ज्यादा श्रमिकों को बर्खास्त कर दिया है। उन्होंने ट्वीट किया कि, कोविड के दौरान, सरकार ने एम्बुलेंस कर्मियों पर फूल बरसाने की बात की, लेकिन, जब वे (वर्कर) अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं, तो यह उन पर लाठियों की बारिश करने की बात कर रहे हैं। सरकार ने ईएसएमए लगाकर 500 से ज्यादा वर्करों को बर्खास्त कर दिया है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भगवान ऐसी सरकार से राज्य की रक्षा करें।

यमुना में जल स्तर 'खतरे के निशान' के पार, अलर्ट जारी

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। दिल्ली प्रशासन ने शुक्रवार को बाढ़ का अलर्ट जारी किया और यमुना के मैदानी इलाके में रह रहे लोगों से स्थान खाली कराने के प्रयास तेज कर दिए। राजधानी में यमुना के डूब वाले ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के बीच जल स्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया है। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 11 बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर जल स्तर 205.34 मीटर दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे जल स्तर 205.22 मीटर, सुबह छह बजे 205.10 मीटर और सुबह सात बजे 205.17 मीटर दर्ज किया गया। जल स्तर और बढ़ सकता है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सभी संबंधित विभागों को चौकस कर दिया गया है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग ने अलग–अलग इलाकों में 13 नौकाओं को तैनात किया है तथा 21 अन्य को तैयार रखा है। हरियाणा द्वारा हथनीकुंड बैराज से यमुना में और पानी छोड़े जाने पर दिल्ली पुलिस और पूर्वी दिल्ली जिला प्रशासन ने राजधानी में यमुना के मैदानी इलाकों में रह रहे लोगों से स्थान खाली कराना शुरू कर दिया है। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि बाढ़ का अलर्ट तब जारी किया जाता है जब यमुना का जल स्तर 204.50 मीटर के ''खतरे के निशान'' को पार करता है। चौबीसों घंटे स्थिति की निगरानी की जा रही है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में बारिश के कारण नदी उफान पर है। उत्तर पश्चिम भारत में और बारिश की संभावना के कारण नदी और उफान पर हो सकती है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को तीसरे दिन दिल्ली–एनसीआर में मध्यम बारिश के लिए ''ऑरेंज अलर्ट'' जारी किया है। दिल्ली बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार, हथनीकुंड बैराज पर पानी छोड़ने की दर मंगलवार दोपहर को 1.60 लाख क्यूसेक पहुंच गयी जो इस साल अभी तक सबसे अधिक है। बैराज से छोड़े गए पानी को राजधानी पहुंचने तक आम तौर पर दो से तीन दिन लगते हैं। हरियाणा ने सुबह आठ बजे तक यमुनानगर में स्थित बैराज से 19,056 क्यूसेक की दर से पानी छोड़ा। बृहस्पतिवार को रात आठ बजे तक 25,839 क्यूसेक की दर से पानी छोड़ा गया था। सामान्यतः हथनीकुंड बैराज से पानी के बहाव की दर 352 क्यूसेक होती है लेकिन डूब वाले इलाकों में भारी बारिश के बाद ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है। एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकंड के बराबर होता है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।